बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग—२ कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

बुधवार, तिथि ९ अगस्त १९७८ ई०

[विषय-सूची]

पृष्ठ

अविलम्बनीय लोक महत्त्व के विषय पर चर्चा—

१. बिहार राज्य में आवश्यकतानुसार बस-सेवा की उपलब्धि ३-१६

१. शून्यकाल में चर्चाएँ

(क) पदाधिकारी द्वारा अनशन १७

(ख) सुरक्षात्मक बाँध के कार्यों को पूरा करना १८

(ग) सिलेवस से मैथिली को हटाना १८-१९

(घ) कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्त्ताओं को अपमानित करना १९

(ङ) मजदूरों के खिलाफ तालाबन्दी १९

(च) अल्प संख्यकों की शैक्षनिक व्यवस्था में हस्तक्षेप २०

(छ) सड़क एवं पुल की मरम्मत २०

(ज) राहत कार्य चलाने की व्यवस्था २०

(झ) तीर्थ यात्रियों को सुविधा व्यवस्था २१

(ञ) आवास की सतह को ऊँचा करना २१

(ट) बाढ़ से लोगों की रक्षा २२

(ठ) अभियुक्त पर कार्रवाई २२

(ड) बिना शर्त्त मजदूरों की रिहाई २२

(ढ) कनीय लेखा लिपिक शिशिक्षुओं को कार्य देने का अनुरोध २२-२३

(ण) अवकाश प्राप्त दारोगा के बकाये का भुगतान २३

(त) बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में राहत व्यवस्था २३

(ख) सुरक्षात्मक बाँध के कार्यों को पूरा करना।

*श्री सीताराम सिंह आजाद—उपाध्यक्ष महोदय, भागलपुर जिला के बिहपुर प्रखण्ड में काम के बदले भोजन के योजनान्तर्गत बाढ़ से बचाव हेतु सुरक्षात्मक बाँधों के निर्माण एवं मरम्मती के कार्य चलाए जा रहे थे जो गेहूँ के अभाव में ठप पड़ गया है। गंगा-कोशी के जलस्तर और आगे आनेवाली बाढ की संभावना को देखते हुए अविलम्ब पर्याप्त गेहूँ की आपूर्त्ति कर सुरक्षात्मक बाँधों के कार्यों को पूरा करने के लिए मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।

(ग) 'सिलेबस से मैथिली को हटाना'।

*श्री चतुरानन मिश्र—उपाध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से जो माध्यमिक शिक्षा के लिए सिलेबस जारी किया गया है उसमें मैथिली को हटा देने की बात है, इसको लेकर काफी चिन्ता बाहर में व्यक्त की जा रही है इसलिए अनुरोध है कि माध्यमिक शिक्षा मंत्री यहाँ बैठे हैं वे बता दें कि क्या स्थिति है, इसे वे साफ कर दें। मैं चाहता हूँ कि इस प्रश्न पर सरकार कुछ कहे। मंत्री महोदय सजग आदमी हैं इसलिए मैं अनुरोध करता हूँ कि इस सम्बन्ध में क्या स्थिति है इस संबंध में वे कुछ कहें।

*श्री गुलाम सरवर—जनाबे सदर, मैथिली को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है। यह कहने के बजाय अगर माननीय सदस्य यह कहें कि कन्सटीच्युशन के शिडिउल में जितनी भाषाएँ हैं उन भाषाओं की मदर टंग के रूप में स्वीकृत किया गया है तो वह ज्यादा अच्छा होगा, उसमें बदकिश्मती से मैथिली नहीं है। हमलोगों को, इस सरकार को मैथिली से विरोध नहीं है....

उपाध्यक्ष—एक नयी परम्परा कायम करेंगे तो सारी परम्पराओं को तोड़ना होगा।

श्री चतुरानन मिश्र—हम काम चलाना चाहते हैं।

उपाध्यक्ष—आप काम चलाना चाहते हैं तो सरकार को सारे मेम्बरों को जवाब देना होगा। एक माननीय सदस्य को सरकार जवाब देती है तो सबको जवाब देना होगा।

श्री सीताराम मिश्र—अध्यक्ष महोदय ने कहा था....

उपाध्यक्ष—क्या कहा था ? आप हमको बोलने नहीं देते हैं। माननीय सदस्य, श्री चतुरानन मिश्र ने अपनी दलील रखी और सरकार तुरत उत्तर देने लगी। मैंने सरकार को रोकना चाहा लेकिन देखा कि वे जवाब देना चाहते हैं।

श्री चतुरानन मिश्र—मैं इसका स्पष्टीकरण चाहता हूँ।

उपाध्यक्ष—चलते सत्र में सरकार इस संबंध में एक वक्तव्य दे दे।

———

(घ) कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं को अपमानित करना।

*श्री नरेश दास—उपाध्यक्ष महोदय, गया जिला कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य श्री नवल किशोर सिंह को २ अगस्त को वजीरगंज में बगाहा पहाड़ के निकट गया जिला के एस० पी० ने अपनी कार रोक कर बिना वजह अपमानित किया और उनके साथ मारपीट की। कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्त्ताओं के साथ सरकारी पदाधिकारियों द्वारा इस तरह की मारपीट की घटना बढ़ती जा रही है। इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।

———

(ङ) 'मजदूरों के खिलाफ तालाबंदी'।

श्री कृष्ण वल्लभ प्रसाद सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, भोजपुर जिला के इटाढ़ी प्रखंड अन्तर्गत धर्मपुर क्षेत्र में जहाँ गत वर्ष हरिजनों की हत्या की गयी थी इस वर्ष भू-स्वामियों ने स्थानीय मजदूरों के खिलाफ तालाबन्दी कर दी है और बाहर से मजदूर लाकर काम कराने की योजना बना रहे हैं। श्रम विभाग ने इस संबंध में जो भी प्रयास किया है वह असफल रहा है और श्रम विभाग की ओर से जिला अधिकारी को एक जिला स्तरीय उच्चस्तरीय कमिटी बनाने को लिखा गया है जिस पर अभी कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया है। इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।

———